
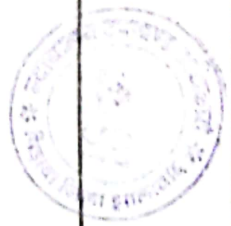


<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर वः अहकामः हुकम वः में जा</p>
<p>17⁰¹/₂₅ अंबरमाल</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अमरपदा उपस्थित। ऑर्डर नं. 6 बाबजूद सूचना अनुपस्थित। कार अवाज लगाई गयी। अनुपस्थित रहे। ऑर्डर नं. 6 के सिद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है। पत्रावली वास्ते वास्तु प्रमाण 09 R9 सेव धारा 5 हेतु दि. 25/02/25 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">Y 17/1/25</p>	
<p>25⁰²/₂₅ अंबरमाल</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अमरपदा उपस्थित। प्रमाण 09 R7 CPL धारा 5 में वास्तु अमरपदा सूजी गयी। पत्रावली वास्ते अदेश प्रमाण 09 R7 CPL दि. 24/03/25 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">Y 25/2/25</p>	
<p>11/03/25</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अमरपदा उपस्थित। प्रमाण के परिप्रेक्ष्य में पत्रावली का अवलोकन किया गया। ऑर्डर प्रार्थना द्वारा प्रमाण प्रमाण कि प्रमाण द्वारा एक suit no. 75/2023 उच्च सीमावर्द्ध नगरीय न्यायाधीश न्यायिक न्याय में लंबित चल रहा था जिससे संबंध लंबित सुन रायपुर में यह संदिग्ध है कि " प्रकरण में कार्यवाही द्वारा आपसी समझौता होने से not-press किया गया " - स्वार्थन स्वार्थन कर दिया गया प्रमाण प्रार्थना/कार्यवाही द्वारा भी not-press प्रमाण</p>	



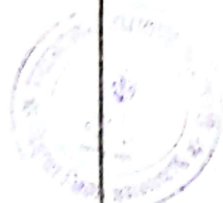
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नम्बर व
अहकाम
हुकम को
में जा

कोई रिपोर्ट मालती नहीं है। स्वयं प्राचीण ने
माने प्रमोशन/लेवेल प्रॉपर्टी में इसका इतिहास
केसा जन्म है। अतः प्राचीण का प्रॉपर्टी
07/29 0.00.5.15/1 EPC खारिज करमाणो धर्मे।

3. कलम क्रम फटा के परिपेक्ष्य में मालती का अम-
लीकन किया गया। प्राचीण द्वारा फेश मुलकाद
20/75/2013 सीताबाई कलम कोशल्याबाई की
आदेशीका दिनांक 11/07/2015 के अवलोकन से
स्पष्ट है कि प्रकरण का अग्रपक्ष द्वारा रजिस्ट्रार
के आचार पर NOT-PRESS किया जाना संज्ञित है।
आदेशीका पर वादी- सीताबाई, मंजीमाल, करण के
सम एक अन्य का अग्रपक्ष दर्ज है। पत्रिका प्रति
-वादीका में से कोशल्याबाई का अग्रपक्ष व एक
अन्य के अग्रपक्ष दर्ज है। मुलीनिक आदेशीका
दिनांक 26/3/2015 प्रति 1,3,4,5,7,9 व 11 के
विकट एगपक्षीय कार्यवाही हो चुकी थी। पत्रिका
प्रति क्रम 2,6,8,10 की तालीम लेना शेष था।
अतः स्पष्ट है कि दिनांक 11/7/2015 को एकी
05 कार्यवाही में से केवल 04 ही present थे,
वादी क्रम 4 व 5 में से कौन absent था व
कौन absent था - यह स्पष्ट नहीं है। इली-
प्रकार प्रति 2,6,8,10 की तालीम हो नहीं हुई
और और प्रति 4 को उपलब्ध-के विकट already
एगपक्षीय कार्यवाही हो चुकी थी। प्रति 0 में ही
उपलब्ध एक अग्रपक्षीय मंजीमाल प्रती 11 हो सकना
है। अतः विकट भी पूर्व में co-partie order
ले गमा था (dt. 26/3/2015 को) अतः स्पष्ट
है कि वादी क्रम 4 व 5 में से कौन एक
के एड तक मुलकाद EP 75/2013 NOT-PRESS
वादी किया गया था लेकिन फिर भी रजिस्ट्रार



तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तालीम
में जारी हुए

के हद तक Not-press मान कर वास खारिज
कर दिया गया था। प्रार्थना की review applica-
शन 31/1/2015 की सम्यक् प्रतीति से डापर की की
जैसे कुतबिक कोडिंग/डिनांक 31/5/2017 से
समस्त लोक अदालत एचएल रामपुर में डापर हाकी
अपने पैटन में खारिज किया गया था जबकि
समस्त लोक अदालत / रिजिस्ट्रार में केवल प्रार्थना
या आपसी सहमति के आधार पर ही निर्णय
दिया जा सकता है। अतः कोडिंग डिनांक 31/5/17
खारिज नहीं था अतः लोक अदालत की मूल
आवना के निकट था। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत
अनुसार प्रत्येक प्रकार के अमान्य मुकाममुदा के
आधार पर ही adjudicate करना चाहिए, न
कि technical grounds पर खारिज की जानी चाहिए
कि Law के प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन नहीं है।

4. उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थना का
प्रॉप 05RS CPC r.w.s. 151 CPC केवल वासी
/ प्रार्थना के हद तक ही खारिज किया
जाता है। प्रार्थना/वासी क्रम 1,2,3, के हद तक
खारिज किया जाता है। केवल प्रार्थना/वासी क्रम
के हद तक मूलवासी एन 75/2013 को
सुनः नम्बर (re-store) लिये जाने के आदेश
दिये जाते हैं। यह प्रॉप केवल मूलवासी को
नम्बर से कम लोअर मूलवासी के साथ संबंध
लोअर डिनांक 16/04/25 को देखा है।



[Handwritten signature]

उपखण्ड अधिकारी
पिड़ावा, निरम शारदावाड़ (राज०)